EDII

Amrut Vichar, Lucknow

October 15, 2023

छात्रों की प्रतिभा पहचानें शिक्षक

राज्यपाल ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र, बोलीं-धैर्य और साहस के साथ नियमित प्रयास जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : युवाओं को कठिन परिश्रम से परिणाम तक पहुंचना होगा। आज दुनिया में जो सबसे बड़े पूंजीपति हैं उन्होंने अपनी शुरुआत छोटे से की और वह सफलता असफलता के साथ लगे रहे। तब जाकर उन्हें आज मुकाम हासिल हुआ है। स्टार्टअप के लिए सबसे जरूरी धैर्य है। लेकिन शिक्षकों को भी अपने छात्र की प्रतिभा को पहचानकर उसके बढ़ने के लिए प्रेरित करना होगा। ये बात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कही।

पटेल रविवार को प्राविधिक विश्वविद्यालय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के मौके पर शुरू हुए स्टार्टअप संवाद 2.0 के शुरुआत करने के बाद संबोधित कर रह रही थी। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कहा कि डॉ. कलाम का युवाओं पर बहुत भरोसा था। व कहते थे कि युवा कुछ भी कर सकता है। इससे पहले राज्यपाल ने स्टार्टअप प्रदर्शनी का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में स्टार्टअप इको सिस्टम का परिणाम देखने को मिल रहा है। यह अब धीरे-धीरे क्रांति का रूप ले रहा है। एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन पायलट बनाने का टास्क दिया है। जिसे पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है।

तकनीक के दुरुपयोग पर जताई चिंता-राज्यपाल ने नई तकनीक के दुरुपयोग पर चिंता जाहिर की। कहा कि तकनीकी मानव कल्याण के लिए है। उन्होंने कहा कि एआई का यूज जहां सकारात्मक हो रहा है तो इसका प्रयोग लोग गलत कामों में भी कर रहे हैं। इसी तरह से सोनोग्राफी के जरिये गर्भ में ही भ्रूण हत्या हो रही है। हमारे विश्वविद्यालयों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह छात्रों को सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करें।

आयोजन

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर प्राविधिक विश्वविद्यालय में इनोवेशन डे के मौके पर स्टार्टअप संवाद 2.0 कार्यक्रम शुरू

दिखने लगा अभियान का असर : प्रमुख सचिव

इस मौके पर प्लानिंग विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि पिछले दो तीन सालों में स्टार्टअप को लेकर सरकार की ओर से चल रहे अभियान का असर अब दिखने लगा है। युवा स्टार्टअप के लिए आगे आ रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों से ही नहीं ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले भी स्टार्टअप अपना रहे हैं।

समाज की समस्याओं को दूर कर रहे युवा : मुख्य सचिव

इस मौके पर मुख्य अतिथि मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा कि हाल ही में आयी स्टार्टअप रिपोर्ट के अनुसार भारत में 90 हजार से ज्यादा स्टार्टअप पंजीकृत है। जो कि दुनिया में चौथे स्थान पर है। वहीं स्टार्टअप के लिए इकोसिस्टम के मामले में देश दुनिया में तीसरे पायदान पर स्थित है। जबकि उत्तर प्रदेश मे दस हजार के करीब स्टार्टअप पंजीकृत हैं। इससे पता चलता है कि पिछले कुछ सालों मे स्टार्टअप को लेकर सरकार की ओर से किये जा रहे प्रयास का परिणाम अब दिखने लगा है।

कंपनियों के साथ हुआ एमओयू

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप को आगे बढ़ाने और उनके मेंटॉरशिप के लिए राज्यपाल की मौजूदगी में एकेटीयू इनोवेशन हब का कई कंपनियों के साथ एमओयू साइन हुआ। इसमे आई हब गुजरात, काउंसिल फार साइंस एंड टेक्नोलॉजी, यस बैंक, दी फाउंडर सर्किल, वाधवानी फाउंडेशन, हेडस्टार, सोमिंग सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, कॉगनिफी वेंचर्स से एमओयू के दस्तावेज वित्त अधिकारी सुशील कुमार गुप्ता ने आदान-प्रदान किया।

गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय ने जीती मूट कोर्ट प्रतियोगिता

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आयोजित चौथी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की विजेता घोषित हुए। गोबिन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की टीम बनी रविवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले फ्रांसीसी के साथ देश के विभिन्न राज्यों से 35 टीमों ने भाग लिया। प्रारंभिक दौर के 2 चरणों में मूल्यांकन के बाद क्वार्टर फाइनल के लिए आठ टीमों का चयन किया गया। इसके बाद चार टीमों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। ये टीमें एनएलयू (सोनीपत), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बंगलुरू थी। अंत में फाइनल राउंड का मुकाबला कलिंगा यूनिवर्सिटी और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी की टीमों के बीच हुआ। प्रतियोगिता में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की टीम विजयी रही। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की विजेता टीम की सदस्य निधि पांडे, मान्या अरोड़ा और माधवी तिवारी थी। कलिंगा यूनिवर्सिटी की उपविजेता टीम की सदस्य कोमल पांडे, मिताली ठाकुर और प्रेरणा बोरकर थीं। सर्वश्रेष्ठ वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के निखिल गोयल रहे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में अन्य। अमृत विचार

संचालन की बनेगी कार्ययोजना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कस्तूरबा गांधी विद्यालय

अमृत विचार : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के सफल संचालन के लिए सभी जनपदों के जिला समन्वयक बालिका शिक्षा की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यालयों के उच्चीकरण के प्रति निर्माण कार्यों की प्रगति, भवन हैण्डओवर एवं संचालन, खर्च, बजट 2023-24 की प्रगति एवं 2024-25 के लिए प्रस्ताव एवं अवस्थापना सुविधाओं की स्थिति पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। यह बैठक आगामी 30 अक्टूबर को राजधानी के निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय के राज्य परियोजना कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित की जाएगी।

अपर राज्य परियोजना निदेशक मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को बालिकाओं के लिए और अधिक सुविधा जनक बनाए जाने के साथ उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की जाएगी। इसमें प्रेरणा पोर्टल पर छात्राओं की उपस्थिति, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की समीक्षा, कम्प्यूटर क्रय के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा, कार्मिकों के कार्यभार ग्रहण करने की स्थिति पर चर्चा होगी। इस दौरान बालिकाओं के शत प्रतिशत नामांकन एवं आधार लिंक, बालिकाओं को गणित एवं विज्ञान विषय में निपुण बनाने, आईआईटी गांधीनगर द्वारा प्रत्येक सप्ताह आयोजित सत्रों में बालिकाओं के प्रतिभाग एवं अभ्यास की स्थिति की समीक्षा भी की जाएगी।